दैनिक जीवन में विज्ञान की भूमिका

लेखक : कृष्ण कुमार मिश्र **मूल्य :** 350.00

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र, टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, मुंबई में एसोसिएट प्रोफेसर, कवि एवं लेखक डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र द्वारा रचित यह हिन्दी विज्ञान लेखन की पुस्तक है। डॉ. मिश्र की विज्ञान विषयक कुल 20 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। हिन्दी भाषा और साहित्य में भी आपने प्रचुर लेखन किया है।

आज दैनिक जीवन में विज्ञान की हिस्सेदारी काफी बढ़ी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि, पर्यावरण, सूचना संचार, यातायात, उद्योग, व्यापार आदि विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान के उपयोग एवं महत्व को नकारा नहीं जा सकता। डॉ. मिश्र की इस पुस्तक में 15 आलेख हैं, जो अन्तरिक्ष, जल, सौर ऊर्जा, नाभिकीय प्रदूषण, ई-शिक्षा, बिटामिन सी, जीवन और रसायन, नैनो टेक्नोलॉजी, गंगा प्रदूषण आदि संदर्भों की विधिवत व्याख्या करते हैं। साथ ही इन सब की उपयोगिता, चुनौतियों और चिन्ताओं को प्रस्तुत करते हैं। इन आलेखों के माध्यम से जीवन और दुनिया को व्यवस्थित करने का ज्ञान प्राप्त होता है। हिन्दी में विज्ञान लेखन करने वालों में डॉ. मिश्र अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं।

सौन्दर्य प्रसाधन, फोटोग्राफी, स्टेशनरी, साबुन, रंग रोगन, खान-पान आदि में भी रसायन प्रक्रिया का प्रभाव पाया जाता है। अतः दैनिक जीवन में विज्ञान के प्रभाव से कोई स्थान अछूता नहीं है। डॉ. मिश्र की यह पुस्तक निश्चित रूप लोकोपयोगी है। भाषा सहज, सुबोध एवं रोचक है, छपाई-सफाई उत्कृष्ट है। आशा है, हिन्दी में विज्ञान को जानने-समझने वालों के बीच कृति एवं कृतिकार को प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, प्रकाशन स्वागतेय है।

संपर्क : गीतांजलि प्रकाशन, 418, महाराम मुहल्ला, विश्वास नगर, दिल्ली-110032

कवि : ओमप्रकाश शुक्ल 'अमिय' **मूल्य :** 270.00

कानपुर के 71 वर्षीय कवि अमिय जी का यह अवधी हास्य व्यंग्य कविताओं का संग्रह है। इसमें कुल 51 कविताएँ हैं।